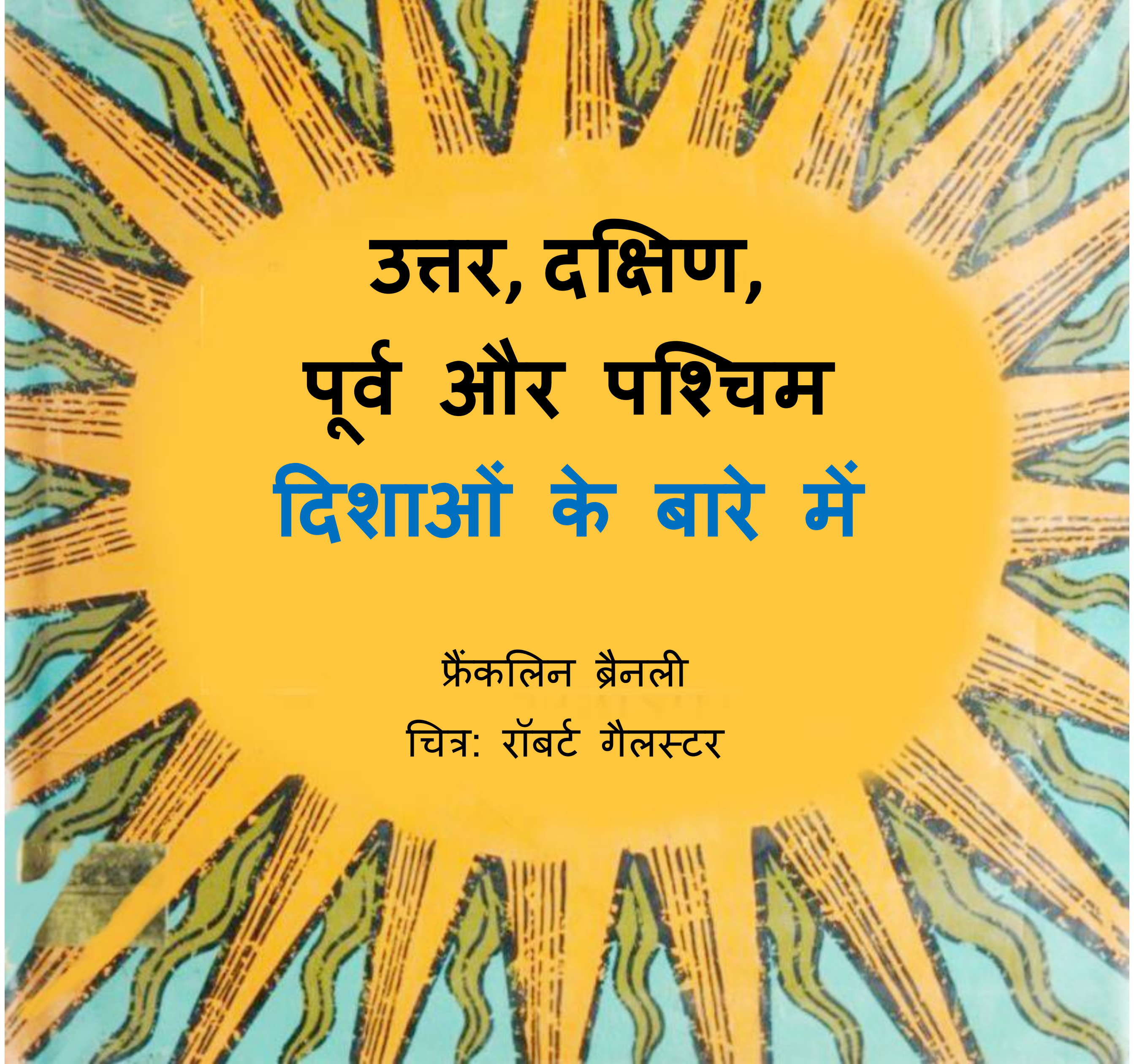

उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम

दिशाओं के बारे में

फ्रैंकलिन ब्रैनली

चित्र: रॉबर्ट गैलस्टर

उत्तर या दक्षिण, पूर्व या पश्चिम

दिशाओं के बारे में

जब आप जानते हों कि कैसे अपना रास्ता खोजना है, तो फिर आपके लिए रास्ता खोजना आसान होगा.

यह जीवंत पुस्तक कम्पास के बिंदुओं को परिभाषित करती है और उन्हें युवा खोजकर्ताओं के लिए रोज़मर्रा की ज़िंदगी से जोड़ती है.

दिशाएँ बताना सीखना, बड़े होने का एक हिस्सा है, और डॉ. ब्रैनली ने स्पष्ट और सरल भाषा में दिखाया है कि वो सीखना मज़ेदार हो सकता है. लड़के और लड़कियाँ उनके स्पष्ट निर्देशों का पालन करते हुए अपनी परछाई का पता लगा सकते हैं और वे पूर्व और पश्चिम दिशाओं का पता लगाना सीख सकते हैं.

कम्पास का उपयोग करना, नक्शा पढ़ना और सबसे अच्छी बात यह जानना कि आप किस दिशा में जा रहे हैं को फ्रैंकलिन ब्रैनली के आसानी से पढ़ी जाने वाली भाषा और रॉबर्ट गैलस्टर के मजाकिया चित्रों ने एक चुनौतीपूर्ण विषय को रोमांचक बना दिया है.

उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम
दिशाओं के बारे में

उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम

दिशाओं के बारे में

फ्रैंकलिन ब्रैनली

चित्र: रॉबर्ट गैलस्टर

क्या आप अपना रास्ता
ढूँढ़ना जानते हैं?

जब आप सड़क पर चलते हैं या बाइक चलाते हैं, तो क्या आप जानते हैं कि आप किस तरफ जा रहे हैं?

क्या आप उत्तर और दक्षिण, पूर्व और पश्चिम के बीच के अंतर को जानते हैं?

क्या आप ऊपर को नीचे से जानते हैं?

क्या आप दाएँ को बाएँ से जानते हैं?

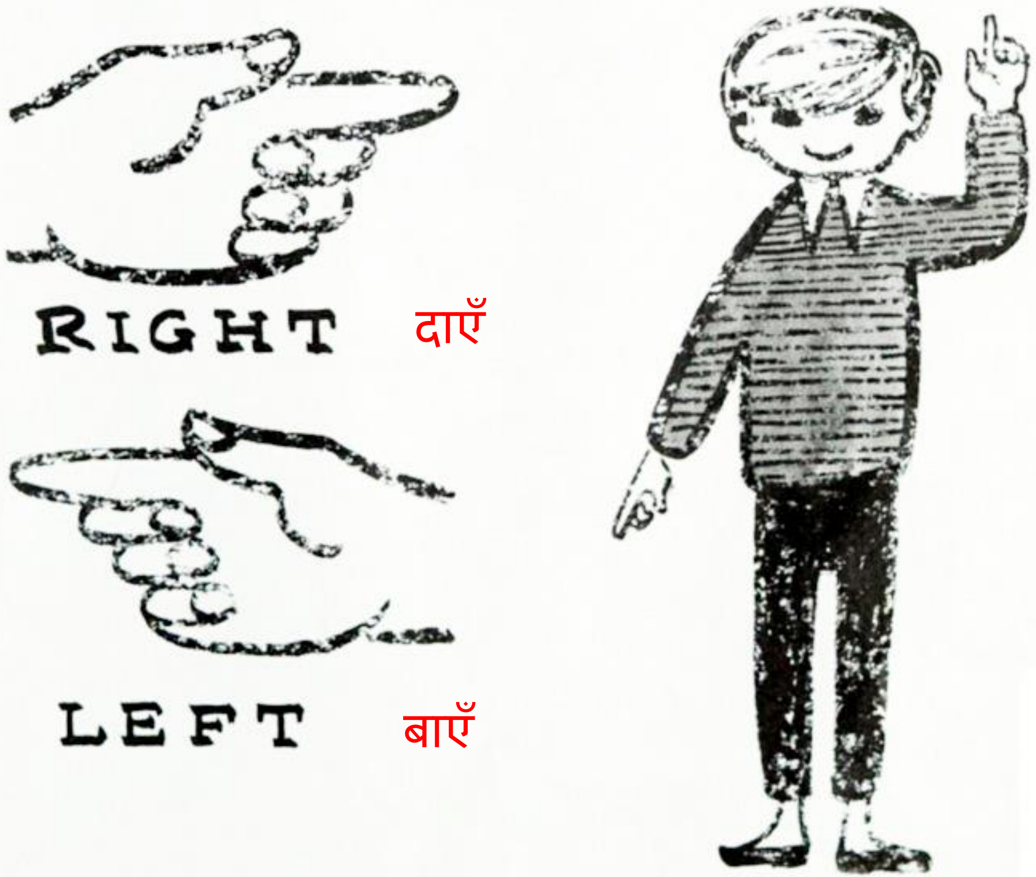

दाएँ और बाएँ काफी आसान हैं.

आप अपने दाएँ पैर को अपने
बाएँ पैर से अगल कर सकते हैं.

आप अपने दाएँ हाथ को अपने बाएँ हाथ से अलग पहचानते हैं.

चाहे आप किसी तरफ़ मुँह करके खड़े हों, आपका दायाँ हाथ
हमेशा आपका दायाँ हाथ ही होगा.

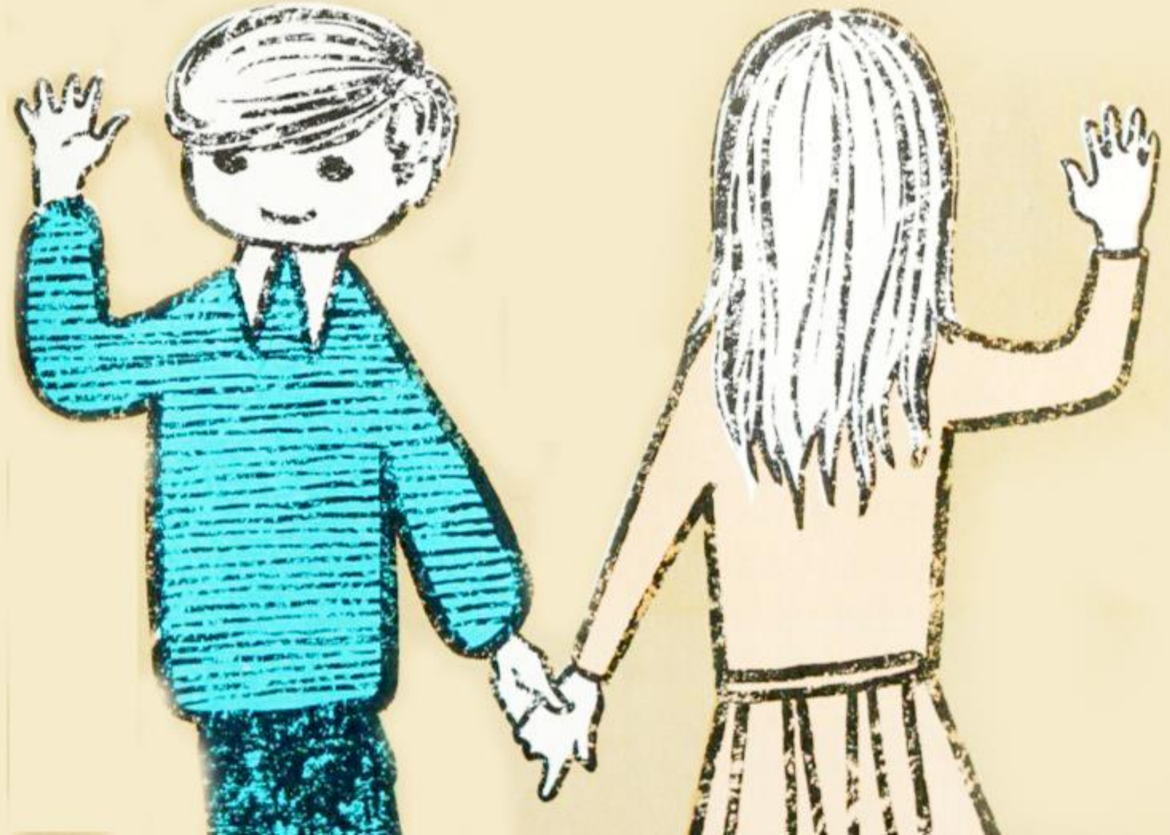

आप अपने सिर के बल खड़े हो सकते हैं, फिर भी आपका बायाँ और दायाँ नहीं बदलेगा. आपका दायाँ हाथ हमेशा आपका दायाँ हाथ ही रहेगा.

ऊपर

ऊपर और नीचे के साथ भी ऐसा ही है.

ऊपर हमेशा ऊपर होगा,
और नीचे हमेशा नीचे होगा.

नीचे

जब आप खड़े होते हैं, तो आपके पैर नीचे होते हैं और आपका सिर ऊपर होता है.

जब आप अपने सिर के बल खड़े होते हैं, तो यह अलग होता है. अब आपके पैर ऊपर होंगे और आपका सिर नीचे होगा. लेकिन उससे ऊपर और नीचे में कोई बदलाव नहीं होगा.

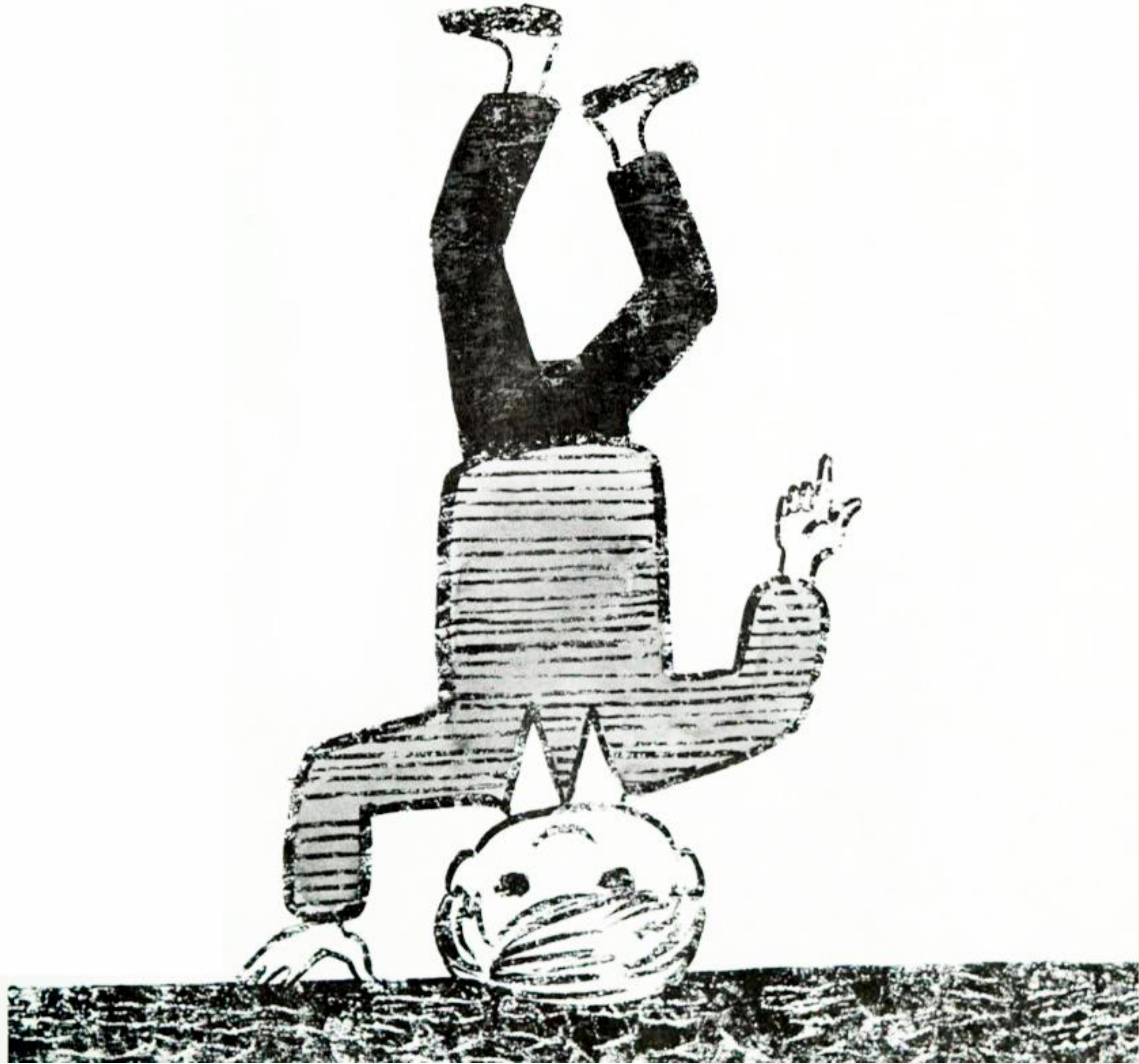

ऐसा इसलिए है क्योंकि नीचे पृथ्वी के केंद्र की ओर है.

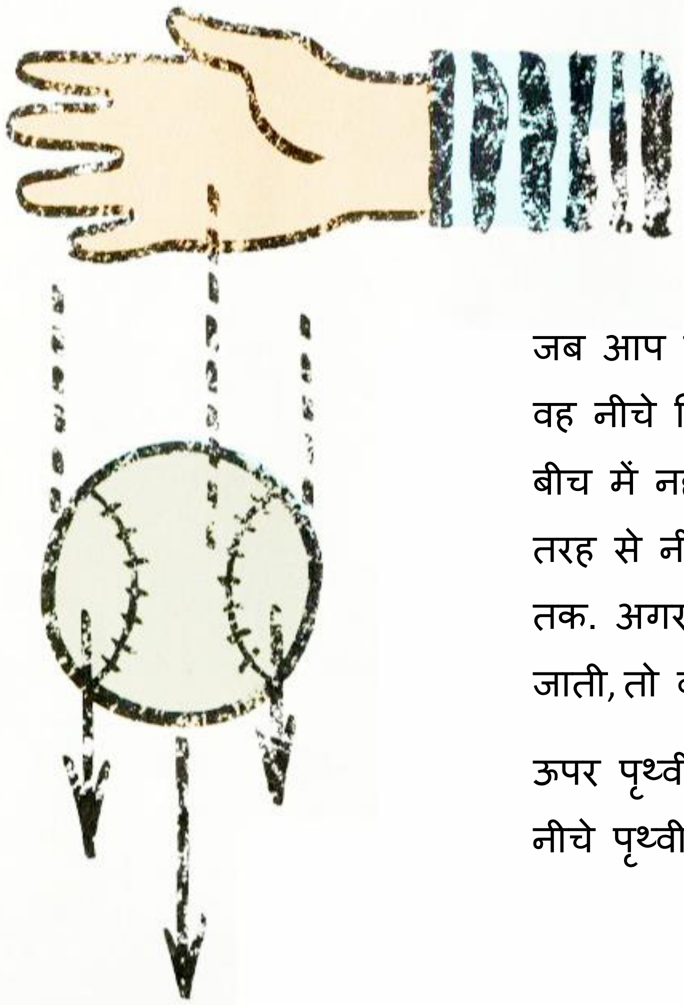

जब आप गेंद को गिराते हैं, तो वह नीचे गिरती है. अगर पृथ्वी बीच में नहीं आती, तो गेंद पूरी तरह से नीचे गिरती, पृथ्वी के केंद्र तक. अगर गेंद, केंद्र से आगे जाती, तो वह ऊपर चली जाती.

ऊपर पृथ्वी के केंद्र से दूर होगा.
नीचे पृथ्वी के केंद्र की ओर होगा.

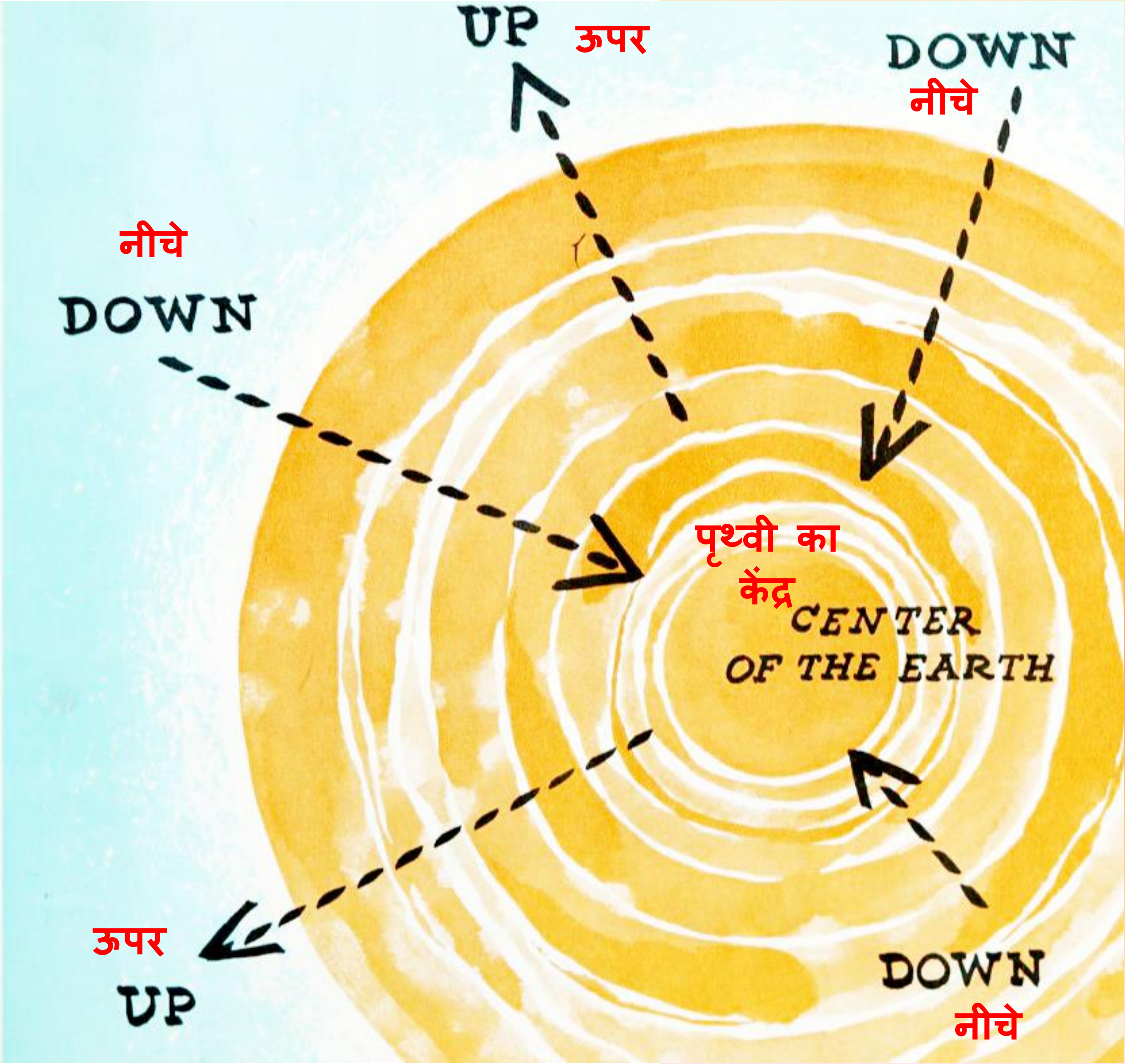

जैसे आप बाएं-दाएं और नीचे-ऊपर सीखते हैं, वैसे ही आप पश्चिम से पूर्व और दक्षिण से उत्तर में अंतर करना सीख सकते हैं.

आपकी अपनी छाया आपको एक दिशा को दूसरी दिशा से अलग करने में मदद करेगी.

मान लीजिए सुबह का समय है. सूरज पूर्व दिशा में है. सूरज पूर्व दिशा में उगता है और पूरी सुबह पूर्वी आकाश में रहता है.

पूर्व

गर्मियों में सूरज पूर्व दिशा से थोड़ा उत्तर की ओर होता है. सर्दियों में यह पूर्व दिशा से थोड़ा दक्षिण की ओर होता है. पूर्व शब्द एक पुराने शब्द से आया है जिसका अर्थ है "भोर". पूर्व दिशा में हम एक नए दिन की सुबह देखते हैं.

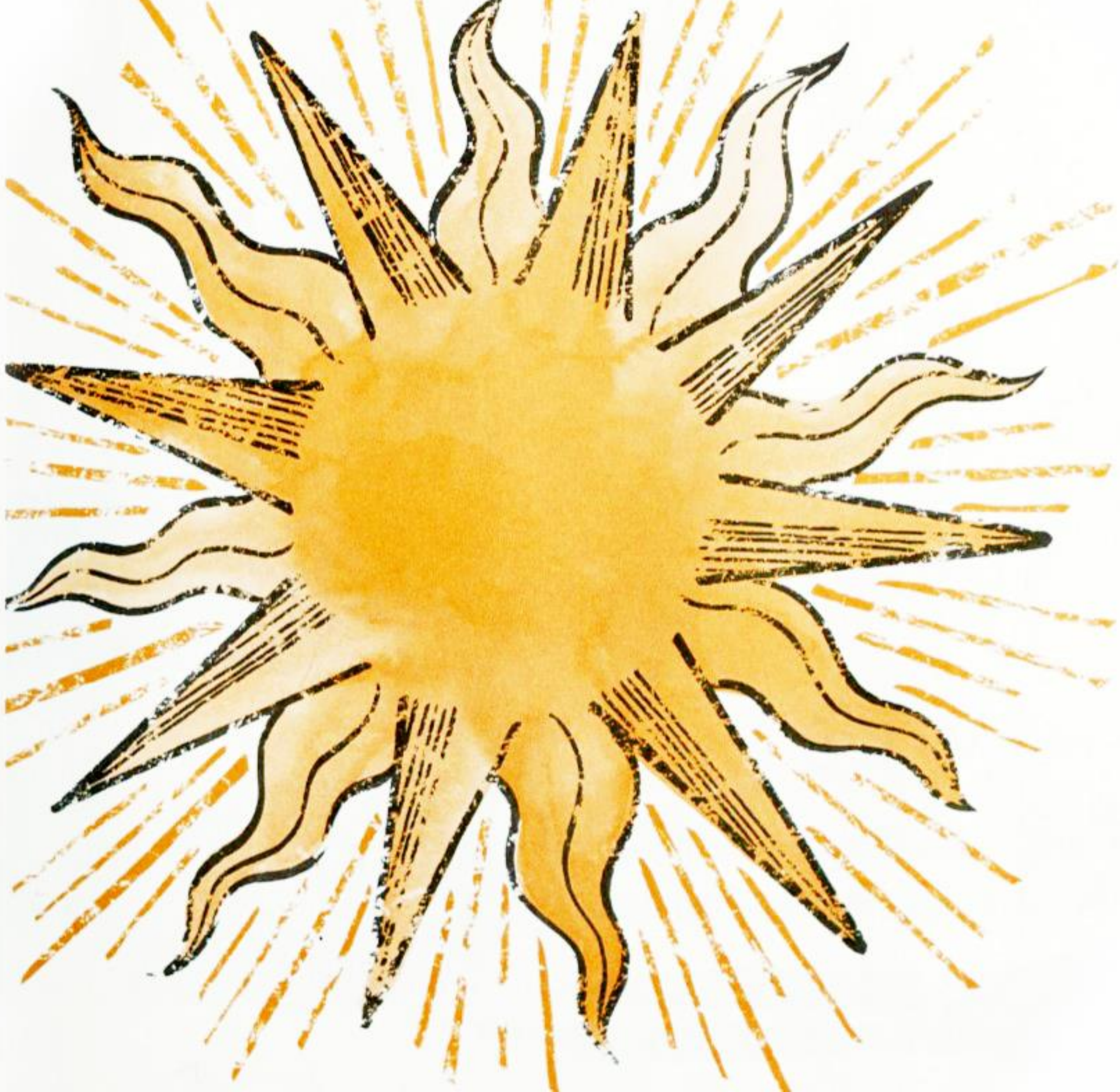

सुबह जब सूरज पूर्व दिशा में होता है, तो आपकी छाया पश्चिम दिशा में पड़ती है. पेड़ों, घरों और कारों की छाया भी पश्चिम दिशा में पड़ती है. सुबह सभी छायाएँ पश्चिम दिशा में पड़ती हैं.

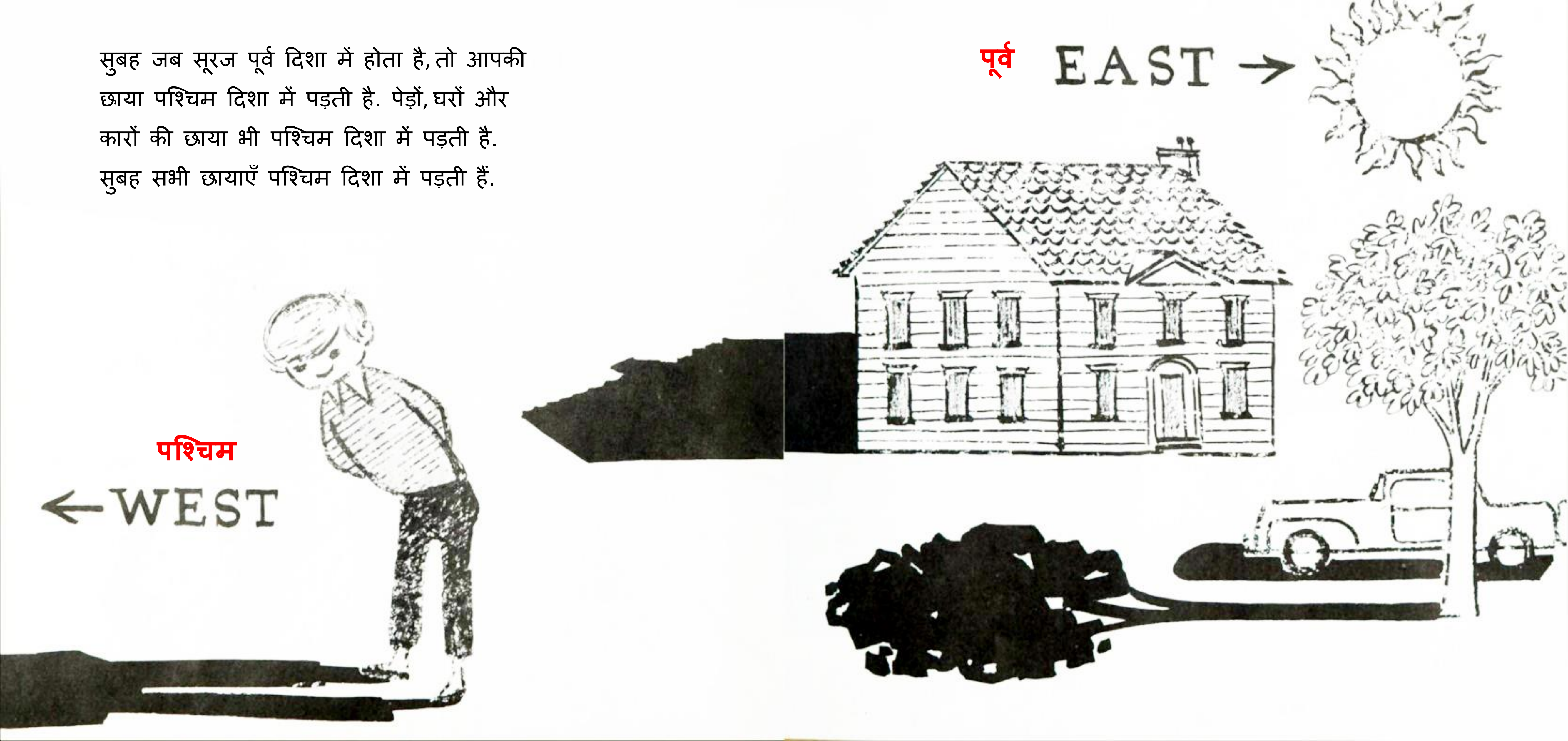

आप अपनी छाया का चित्र बना सकते हैं.

सुबह जब सूरज चमक रहा हो, तो बाहर जाएँ और फुटपाथ पर या कागज़ के एक बड़े टुकड़े पर खड़े हो जाएँ.

कागज़ पर कुछ पत्थर रखें ताकि वह उड़े नहीं. किसी को अपनी छाया के चारों ओर क्रेयॉन से चित्र बनाने को कहें. अपने जूतों के चारों ओर भी चित्र बनाएँ.

सुबह हो चुकी है, इसलिए आपकी छाया पश्चिम दिशा में पड़ती है.

अपने सिर की छाया पर एक बड़ा W (पश्चिम) लिखें.

दिन के दौरान आपकी छाया बदलती रहती है.

सुबह के बाद में आपकी परछाई छोटी हो जाती है. जब वो सबसे छोटी होती है, तो आपकी परछाई उत्तर दिशा में पड़ती है. छोटी परछाई किस तरह पड़ती है, यह दिखाने के लिए कागज़ पर N (उत्तर) लिखें. कागज़ को बिल्कुल भी न हिलाएँ.

दोपहर में कागज़ पर या फुटपाथ पर अपने जूतों के निशानों के अंदर खड़े हो जाएँ. अब अपनी परछाई को देखें. वो एक अलग दिशा में होगी.

किसी से अपनी नई परछाई के चारों ओर चित्र बनाने को कहें.

दोपहर में सूर्य पश्चिम में होता है. पश्चिम वह स्थान है जहाँ सूर्य अस्त होता है. यह वह स्थान है जहाँ सूर्य आकाश से गायब हो जाता है. अब आपकी छाया पूर्व की ओर पड़ती है. अपनी छाया के सिर पर एक बड़ा E (पूर्व) लिखें.

अब आप जानते हैं कि पश्चिम का कौन सी दिशा है और पूर्व की कौन सी दिशा है. आप यह भी जानते हैं कि उत्तर की कौन सी दिशा है. घूमें ताकि N आपके पीछे हो, और E आपके बाएँ ओर हो, और W आपके दाएँ ओर हो. दक्षिण सीधे सामने हो. अब आपको कोई छाया नहीं दिखाई देगी.

सूर्य दक्षिण में है और आपकी छाया उत्तर की ओर है.
छाया हमेशा सूर्य से दूर गिरती है.

उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम को खोजने का दूसरा तरीका कम्पास का उपयोग करके है.

कम्पास को अपने हाथ पर रखें.

कम्पास सुई का नुकीला या रंगीन सिरा, उत्तर की ओर इंगित करेगा. आप कम्पास को चाहे जिस तरह घुमाएँ, सुई हमेशा उत्तर की ओर इंगित करेगी.

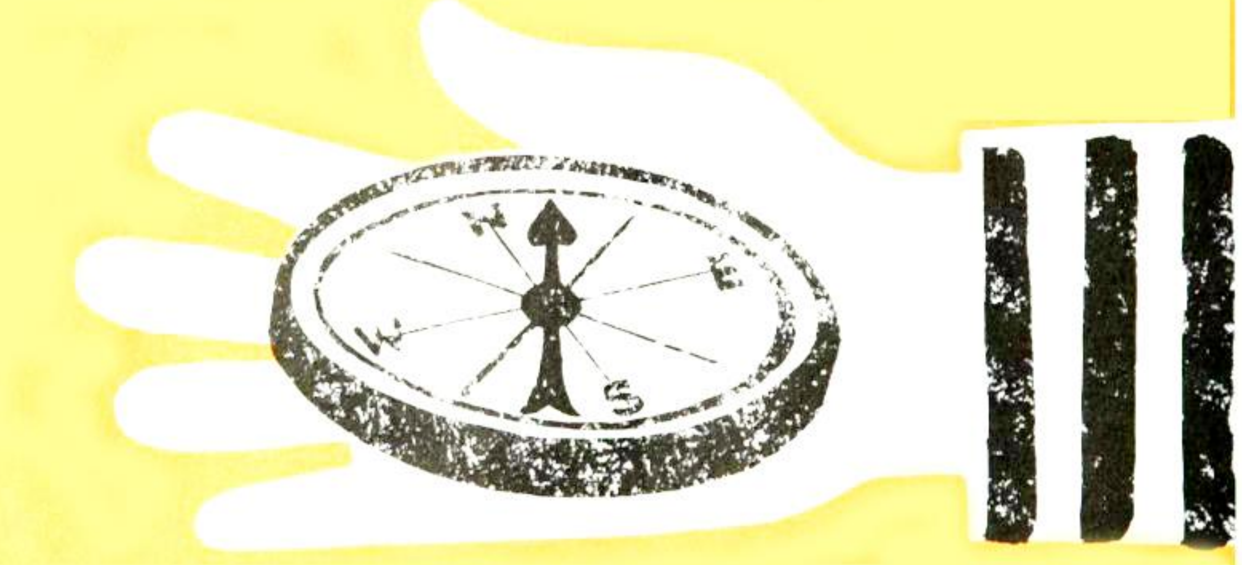

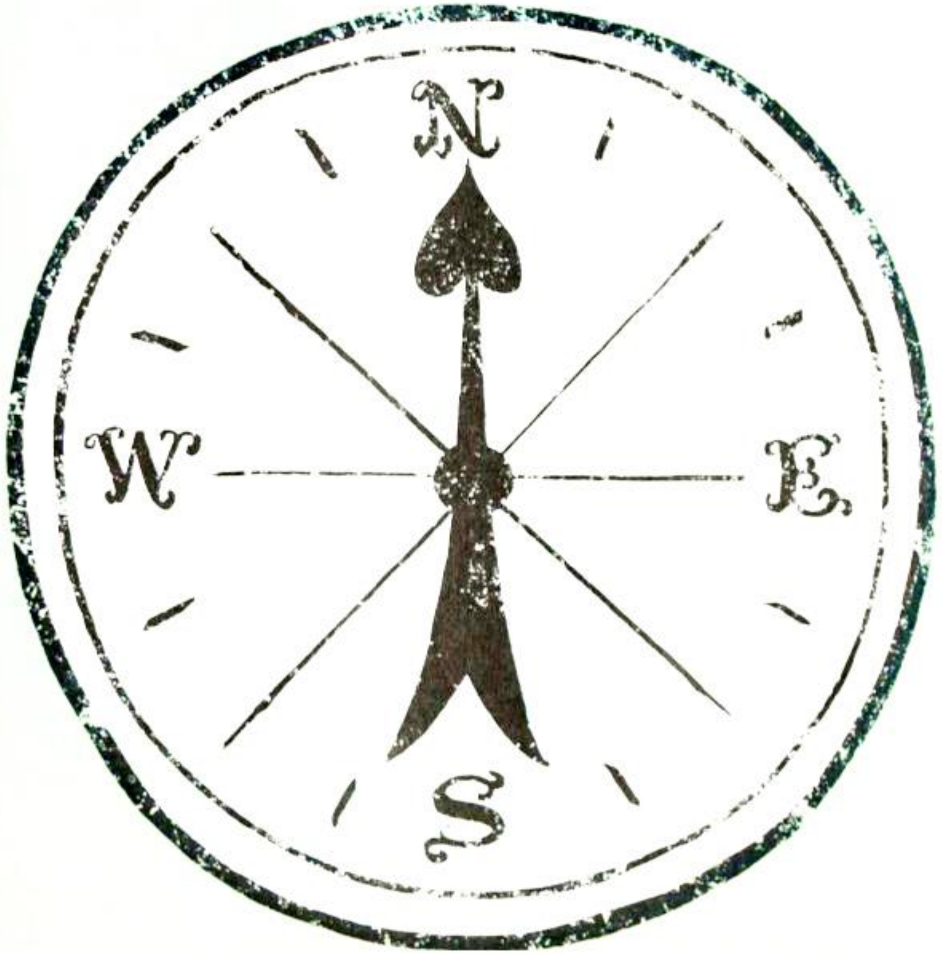

कम्पास को इस तरह घुमाएँ कि N सुई के नुकीले सिरे की ठीक सीध में हो.

अब आप कम्पास से दिशाएँ पढ़ सकते हैं.

आप N, S, E और W पढ़ सकते हैं.

जब आप कम्पास पर N की ओर देखते हैं,

तो दक्षिण आपकी पीठ की ओर होगा,

पूर्व आपके दाईं ओर होगा,

और पश्चिम आपके बाईं ओर होगा.

उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम वे दिशाएँ हैं जिनका उपयोग हम अपना रास्ता खोजने के लिए करते हैं.

आप ऐसे शहर में रह सकते हैं जिसके कुछ हिस्सों को उत्तरी छोर या दक्षिणी छोर, पूर्वी छोर या पश्चिमी छोर कहा जाता है.

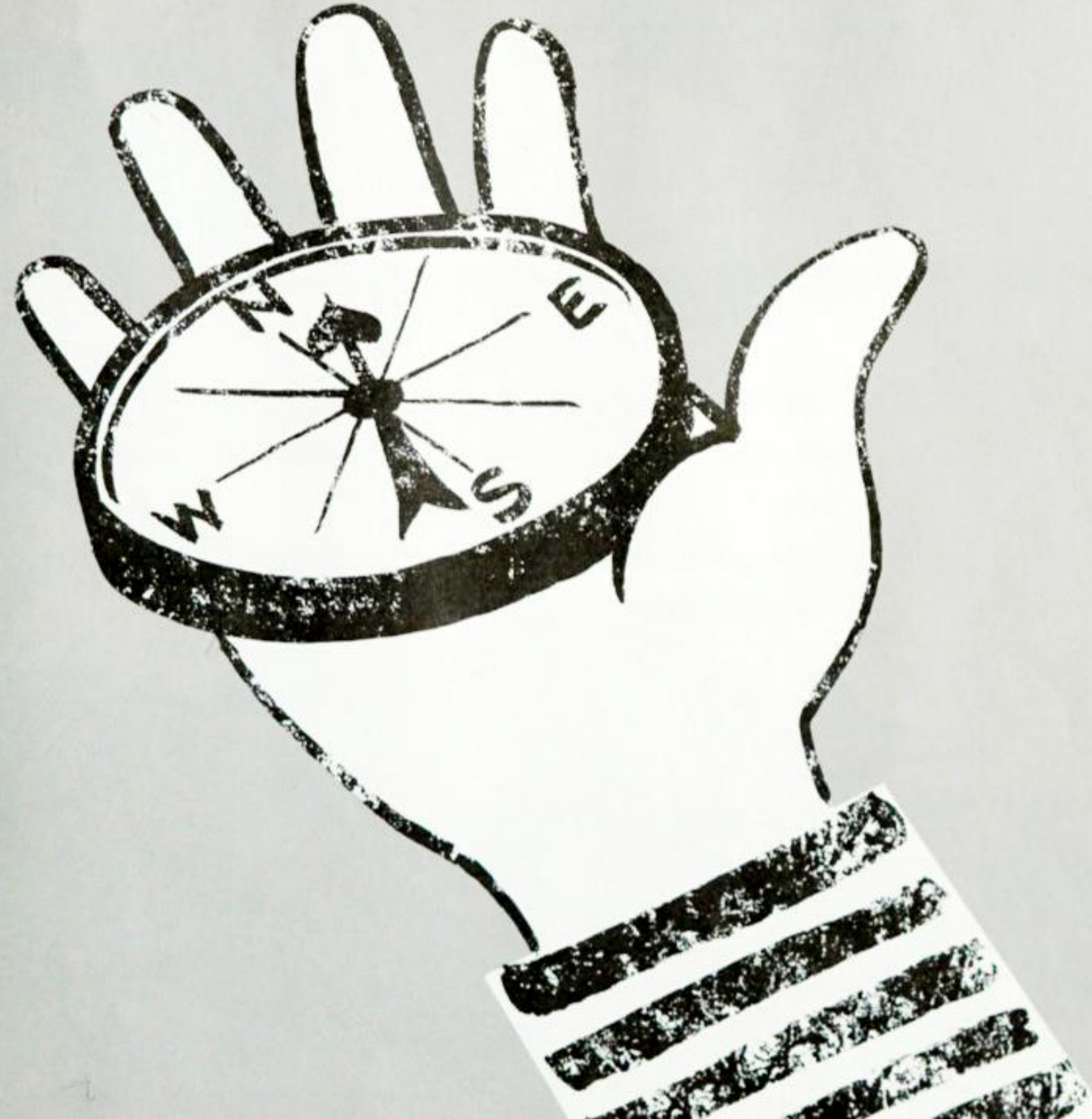

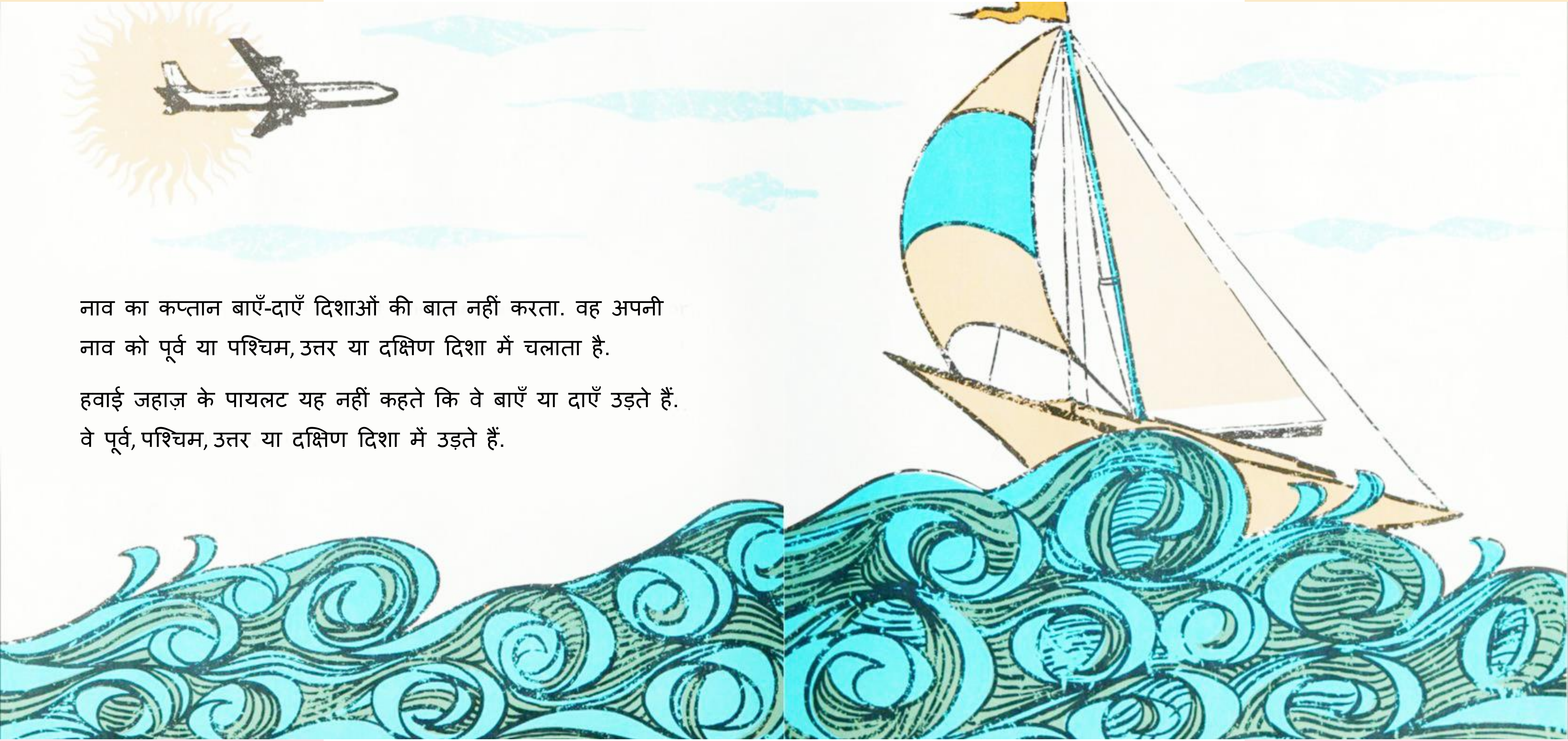

नाव का कप्तान बाएँ-दाएँ दिशाओं की बात नहीं करता. वह अपनी नाव को पूर्व या पश्चिम, उत्तर या दक्षिण दिशा में चलाता है.

हवाई जहाज़ के पायलट यह नहीं कहते कि वे बाएँ या दाएँ उड़ते हैं. वे पूर्व, पश्चिम, उत्तर या दक्षिण दिशा में उड़ते हैं.

मानचित्र देखें. आप उस पर बाएँ और दाएँ नहीं देखेंगे, लेकिन आप उत्तर देखेंगे. और आपको अन्य दिशाएँ खोजने के लिए बस इतना ही जानना है. जब आप जानते हैं कि उत्तर कहाँ है, तो फिर आप पूर्व, पश्चिम और दक्षिण दिशाएँ पा सकेंगे.

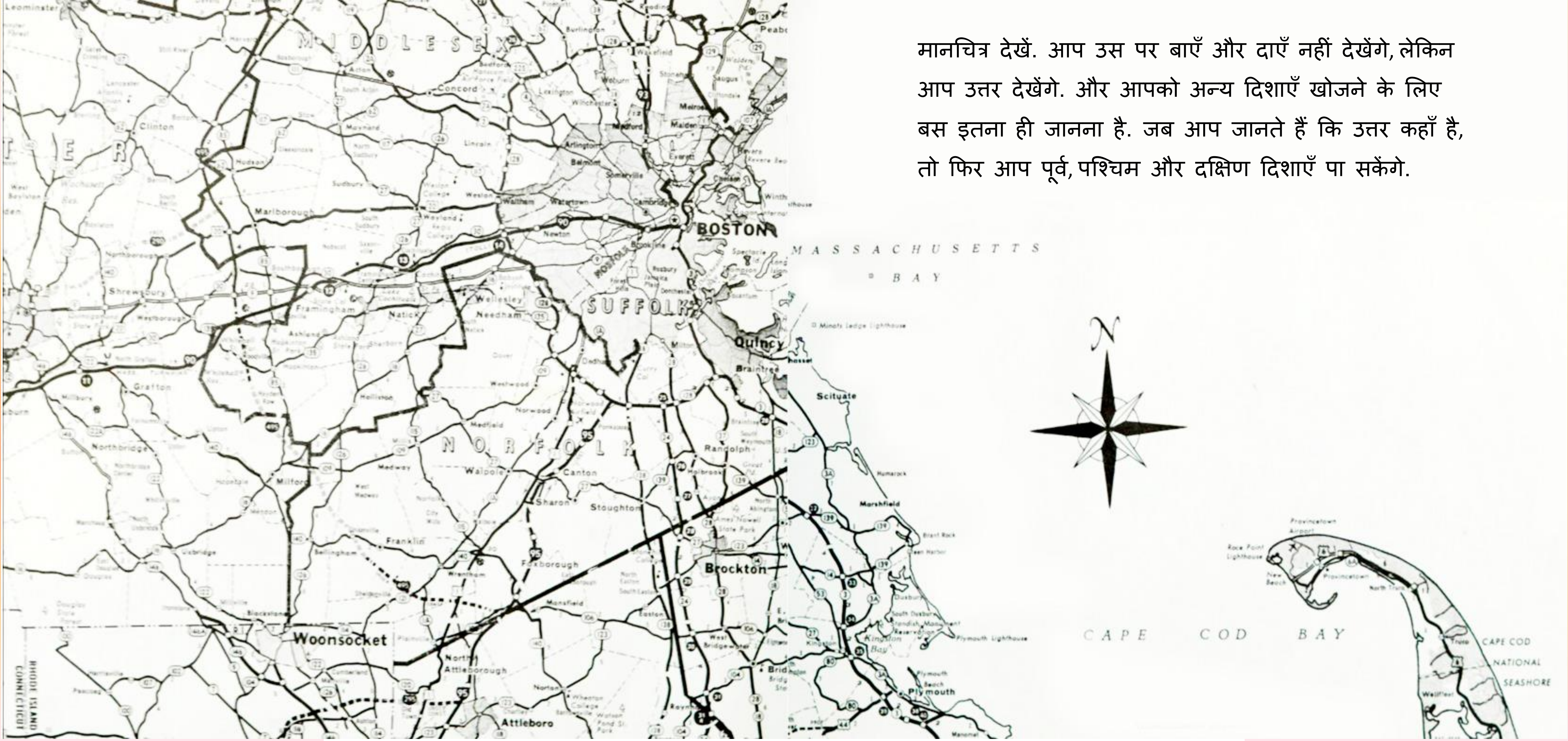

लेकिन आप बिना नक्शे के भी बता सकते हैं कि पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण कौन सी दिशा में है.

छाया आपको वो बताएगी.

अब जब आप सड़क पर चलते हैं या बाइक चलाते हैं, तो आपको पता होता है कि आप किस दिशा में जा रहे हैं.

उत्तर-दक्षिण, पूर्व-पश्चिम, जब आपको पता हो कि किस दिशा में हैं, तो आपके लिए रास्ता ढूँढ़ना आसान होगा.